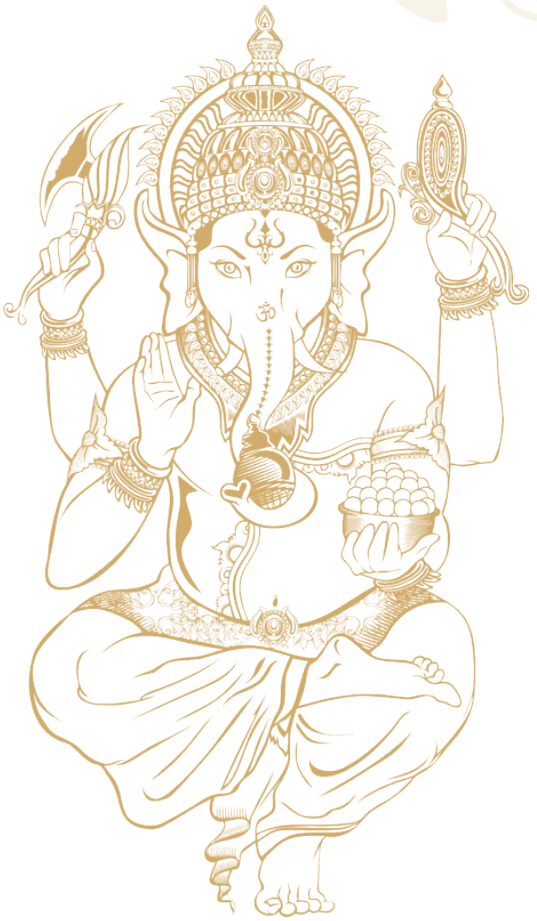

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120983508

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/05/2000	जन्म तिथि	06/10/2003
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 06:45:00	जन्म समय	10:30:00 घंटे
घटी 04:18:27	जन्म समय(घटी)	11:51:07 घटी
India	देश	India
Ara	स्थान	Ara
25:34:00 उत्तर	अक्षांश	25:34:00 उत्तर
84:40:00 पूर्व	रेखांश	84:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:08:40	स्थानिक संस्कार	00:08:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:01:37	सूर्योदय	05:45:33
18:35:38	सूर्यास्त	17:33:23
23:51:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:21

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 1वर्ष 10मा 26दि		06:24:34	मिथु	लग्न	वृश्चि	20:08:26	मंगल 2वर्ष 11मा 12दि	
शनि		12:12:15	वृष	सूर्य	कन्या	18:37:43	गुरु	
23/04/2018		18:35:20	कुंभ	चंद्र	कुंभ	01:02:52	17/09/2024	
22/04/2037		22:15:44	वृष	मंगल	कुंभ	06:44:31	17/09/2040	
शनि	25/04/2021	01:05:58	मिथु	बुध	कन्या	04:39:43	गुरु	05/11/2026
बुध	04/01/2024	28:29:07	मेष	गुरु	सिंह	14:28:34	शनि	18/05/2029
केतु	11/02/2025	08:02:11	वृष	शुक्र	तुला	01:38:26	बुध	24/08/2031
शुक्र	13/04/2028	28:39:32	मेष	शनि	मिथु	18:58:18	केतु	30/07/2032
सूर्य	26/03/2029	01:59:30	कर्क व	राहु व	मेष	27:14:25	शुक्र	31/03/2035
चन्द्र	25/10/2030	01:59:30	मक व	केतु व	तुला	27:14:25	सूर्य	17/01/2036
मंगल	04/12/2031	26:57:55	मक व	हर्ष व	कुंभ	05:26:07	चन्द्र	18/05/2037
राहु	10/10/2034	12:37:23	मक व	नेप व	मक	16:34:17	मंगल	24/04/2038
गुरु	22/04/2037	17:50:12	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:43:13	राहु	17/09/2040

लग्न-चलित

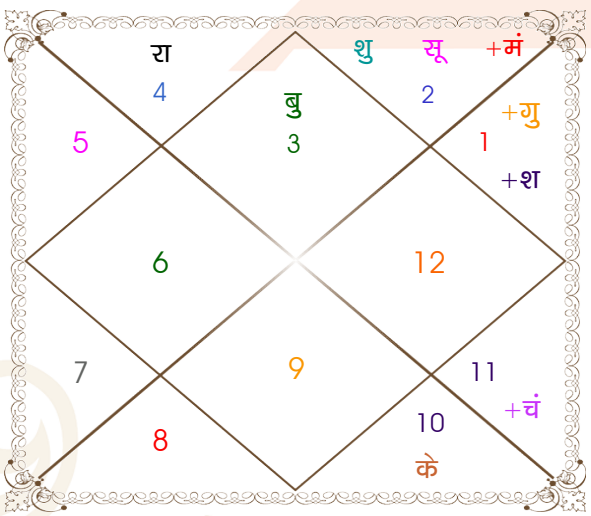

लग्न-चलित

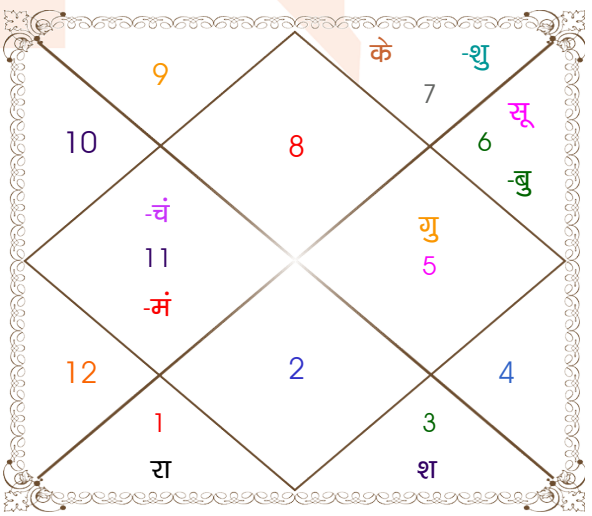

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	33.00		

Mr. का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।